नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

गाजा में युद्धविराम का फिर टूटना

मध्य पूर्व का हाल फिर से चिंताजनक हो गया है. गाजा में जो युद्धविराम हुआ था, वह टूट गया है और इज़रायल और हमास एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं. यह घटना इस इलाके की अस्थिरता को साफ दिखाती है और यह भी बताती है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति अपनी सीमाओं पर है. इज़रायल का कहना है कि हमास ने उनके सैनिकों पर हमला किया, जिसके जवाब में उन्होंने जवाबी कार्रवाई की. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बड़ा हमला बताया और साफ कर दिया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाएगा. दूसरी ओर, हमास ने इस आरोप से इनकार किया और कहा कि इज़रायल ने ही पहले युद्धविराम तोड़ा. इस आरोप-प्रत्यारोप से केवल हिंसा बढ़ती है. जब दोनों पक्ष खुद को सही मानकर दूसरे पर दोष लगाते हैं, तो बातचीत और भरोसा बनना मुश्किल हो जाता है. यह दिखाता है कि युद्धविराम सिर्फ हथियारों की शांति है, लेकिन असली समस्या अभी भी बनी हुई है.

दरअसल, यह युद्धविराम शुरू से ही कमजोर था. यह किसी स्थायी शांति का उपाय नहीं था, बल्कि बंधकों के आदान-प्रदान और कुछ मानवीय मदद तक सीमित था. ऐसे समझौते छोटी-छोटी घटनाओं से टूट जाते हैं. जब तक गाजा की घेराबंदी, फिलिस्तीनी राज्य की मान्यता और हमास के मुद्दों का राजनीतिक समाधान नहीं निकलेगा, तब तक हर बार युद्धविराम के बाद फिर जंग होगी. अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए भी यह मुश्किल भरा समय है. बार-बार युद्धविराम टूटने से उनकी विश्वसनीयता पर असर पड़ता है और यह दिखता है कि वे इस क्षेत्र में निर्णायक भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं. अगर कूटनीति सिर्फ समय खरीदने का जरिया बन जाए, तो स्थायी शांति हासिल नहीं हो सकती.

गाजा के लोग में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं बच्चे, महिलाएं और परिवार जो किसी भी पक्ष के नहीं हैं, वे सबसे ज्यादा दुख सहते हैं. उनकी समस्या केवल आंकड़ों में दिखती है, लेकिन वास्तविकता में ये एक बड़ी मानव त्रासदी है. गाजा का यह संघर्ष साफ करता है कि हथियारों से शांति नहीं आ सकती. बम और मिसाइल सीमाएं बदल सकते हैं, लेकिन दिलों में मौजूद नफरत खत्म नहीं होती. जब तक दोनों पक्ष भरोसा नहीं करेंगे और खुलकर बात नहीं करेंगे, तब तक हर युद्धविराम बस एक छोटा विराम ही रहेगा. अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब केवल अस्थायी समाधान से काम नहीं चलाना चाहिए. उन्हें एक स्थायी राजनीतिक समाधान के लिए दबाव बनाना होगा, जिसमें सुरक्षा, सम्मान और अपने फैसले खुद लेने का अधिकार बराबर हो. अन्यथा, गाजा की आग बुझने की बजाय बार-बार भड़केगी और शांति सिर्फ एक नाम के लिए ही रहेगी.

गाजा में हालिया हिंसा का पुनरुत्थान यह साबित करता है कि सैन्य समाधान से स्थायी शांति नहीं लाई जा सकती. जब तक संघर्षरत पक्ष एक-दूसरे पर भरोसा नहीं करेंगे और हिंसा की जड़ को संबोधित नहीं करेंगे, तब तक रक्तपात जारी रहेगा. यह समय है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से मध्यस्थ देश, केवल अस्थायी विरामों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, एक व्यापक और स्थायी राजनीतिक समाधान के लिए दबाव बनाए. अन्यथा, गाजा में मानवीय संकट और इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष की आग बुझने के बजाय बार-बार भड़कती रहेगी.

विकास की नई ऊंचाइयां छूने को तैयार मध्यप्रदेश

जगदीश देवड़ा

मध्यप्रदेश अपनी स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है. सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं. प्रदेश के नागरिकों के लिए यह शुभ अवसर है. उत्साह और उल्लास के साथ यह अवसर प्रदेश की उपलब्धियों पर गर्व करने का है. आज उन सभी महान विभूतियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दिया. आज हम इस बात को दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश अब पूरी तरह से बदल चुका है. अब और अधिक ऊंचाइयां तय करने के लिए तैयार है. मध्यप्रदेश के सामने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है. भारत के अमृतकाल में मध्यप्रदेश ने भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं. वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना सर्वोच्च लक्ष्य है. इसे हासिल करते हुए मध्यप्रदेश स्वयं भी पूर्ण रूप से विकसित राज्य बन जाएगा. अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिये तैयार है. मध्यप्रदेश अपनी युवा शक्ति के साथ आर्थिक विकास को तेज गति से आगे ले जाने की क्षमता रखता है. मध्यप्रदेश की धरा पर हर जरूरी संसाधन है जो विकास के लिए आधार स्तंभ हैं. कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य में है. आधुनिक सिंचाई की आदर्श संरचनाएं स्थापित है. बिजली की भरपूर उपलब्धता है. ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार और पर्याप्त औद्योगिक निवेश है. उद्योगों के लिए 1.2 लाख एकड़ से ज्यादा लैंड-बैंक है. वर्तमान में 112 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं. साथ ही 14 ग्रीन फील्ड औद्योगिक स्थलों की भी पहचान की गई है. उद्योगों के लिए सबसे जरूरी आकर्षक नीतियां मध्यप्रदेश ने बनाई है, जिससे प्रदेश में व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है. प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि के लिए मध्यप्रदेश विख्यात है. यहां की जमीन उपजाऊ है, जल संसाधनों की कमी नहीं है. भारत की सबसे बड़ी वन संपदा प्रदेश में उपलब्ध है. समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है. वर्ष 2029 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी समृद्ध हो. संपूर्ण विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को आर्थिक विकास, भौतिक अधोसंरचना, सामाजिक अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास करने होंगे. इसके लिए इसी वर्ष चार प्रमुख मिशनों को लांच किया गया है. इसका उद्देश्य गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति को सशक्त बनाना है. यह चार मिशन मध्यप्रदेश 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आधार स्तंभ साबित होंगे. मध्यप्रदेश उद्योग और सेवाओं पर आधारित अर्थव्यवस्था की संरचना और रणनीति में बदलाव की योजना बना रहा है. अगले 10 वर्षों में राज्य में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि होगी क्योंकि निवेश और उत्पादन मध्यप्रदेश देश के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. वैश्विक स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय ग्रामीण उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की ओर हम अग्रसर हैं. स्वदेशी की अवधारणा को मध्यप्रदेश में पल्लवित होने का एक अनुकूल वातावरण मिला है. स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है.

> मध्यप्रदेश खुद को एक क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है जिसमें उज्जैन मेडिसिटी जैसी पहल शामिल है. इसी प्रकार शहरों की अधोसंरचना सुधारने के लिए स्थानीय निकायों को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है. ग्राम पंचायत को निरंतर सक्षम बनाने का काम चल रहा है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास. इसे आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छूने के लिए तैयार है. नागरिकों के सहयोग से विकास के नए लक्ष्यों को प्राप्त करना कठिन नहीं है. भारत देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और साथ ही मध्यप्रदेश भी तेजी से बदल रहा है. एक बार पुन: मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में हम सभी स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है. सबसे जरूरी कृषि और संबंधित क्षेत्रों के विकास करना, इसके लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा. मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों को मदद की जाएगी. एग्रो प्रोसेसिंग हब, कोल्ड चैन, बाजार संपर्क, उत्पादों के मूल संवर्धन को अधिकतम करते हुए एक विस्तृत रोड मैप तैयार किया जाएगा. भौतिक अधोसंरचना में सिंचाई एक बड़ा क्षेत्र है. मध्यप्रदेश की तैयारी है कि 2029 तक शुद्ध बोए गए क्षेत्र में सिंचाई का क्षेत्र 85 प्रतिशत तक पहुंच जाए. इसी प्रकार वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में 50त्न नवकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है. ऊर्जा की वर्तमान स्थापित क्षमता 27109 मेगावाट है जिसे 2029 तक बढ़कर 60,000 मेगावाट करना है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार से नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आ रहा है उससे यह लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाएगा.

(लेखक मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री हैं)

जयंती पर विशेष

एकता, साहस और स्वालंबन के प्रतीक सरदार पटेल

भूपेन्द्र सिंह
पूर्व गृहमंत्री एवं विधायक

सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे महान नेता थे जिनका नाम सुनते ही देशभक्ति, दृढ़ संकल्प और अटूट एकता की भावना मन में जाग उठती है. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक महान नेताओं ने योगदान दिया, परंतु उनमें से एक नाम ऐसा है जिसे पूरे राष्ट्र ने सरदार के रूप में सम्मानित किया सरदार वल्लभभाई पटेल. उनका यह उपनाम मात्र एक संबोधन नहीं, बल्कि उनके दृढ़ नेतृत्व, अदम्य साहस और संगठन क्षमता का प्रतीक है.

1928 में गुजरात के बारडोली आंदोलन के दौरान वल्लभभाई पटेल ने किसानों का नेतृत्व किया. ब्रिटिश सरकार ने भूमि कर में अत्यधिक वृद्धि की थी, जिससे गरीब किसान परेशान थे. पटेल ने निडर होकर इस अन्याय के विरुद्ध किसानों को संगठित किया और आंदोलन का संचालन किया. उनके कुशल नेतृत्व, दृढ़ निश्चय और शांतिपूर्ण संघर्ष के परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा और कर वृद्धि वापस लेनी पड़ी. इस आंदोलन की सफलता के बाद बारडोली के किसानों ने उन्हें प्रेमपूर्वक सरदार (अर्थात नेता या मुखिया) की उपाधि दी. यह नाम इतना लोकप्रिय हुआ कि पूरे देश में वल्लभभाई पटेल सरदार पटेल के नाम से प्रसिद्ध हो गए.

1947 में भारत के स्वतंत्र होने पर देश में 562 से अधिक रियासतें थीं. ब्रिटिश शासन के समाप्त होने पर ये रियासतें स्वतंत्र रहना चाहती थीं या पाकिस्तान में शामिल होने की सोच रही थीं. ऐसे कठिन समय में सरदार पटेल ने अपने कौशल, दृढ़ निश्चय और राजनीतिक बुद्धिमत्ता से इन रियासतों को भारत संघ में मिलाया. उन्होंने लौह-संकल्प के साथ भारत के विखंडन को रोका और एक अखंड, एकीकृत भारत की नींव रखी. हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसी रियासतों का भारत में विलय सरदार पटेल जी की दूरदर्शिता और कूटनीति का परिणाम था. उनके इस दृढ़ निश्चय और दूरदृष्टि के कारण उन्हें भारत का लौह पुरुष कहा गया. भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि अगर सरदार पटेल न होते तो देश का नक्शा कुछ और होता.

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि वल्लभभाई पटेल भारत के लौह पुरुष ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के प्रहरी थे. सरदार पटेल ने हर भारतीय के भीतर राष्ट्रीय गौरव और स्वाभिमान की भावना जगाई. वे किसी भी प्रकार की विदेशी निर्भरता के पक्षधर नहीं थे. उन्होंने भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखने का स्वप्न देखा था जो अपने निर्णय स्वयं ले सके और विश्व के समक्ष गर्व से खड़ा हो सके. आत्मनिर्भरता की बात करें तो सरदार पटेल ने देश में उद्योग, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में स्वावलंबन को बढ़ावा दिया. उन्होंने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि सुधारों पर बल दिया. उनके प्रयासों से भारत ने अपने संसाधनों का सदुपयोग कर स्वावलंबी बनने की दिशा में कदम बढ़ाए.

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सर्वोपरि नायकों में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में लिया जाता है. उनका जीवन और कार्य हमारे राष्ट्र के निर्माण में मील का पत्थर साबित हुए हैं. उन्होंने न केवल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष किया, बल्कि स्वतंत्रता के बाद देश को मजबूत, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी अथक प्रयास किए. आज जब भारत 'आत्मनिर्भर भारत' के पथ पर अग्रसर है, तब सरदार पटेल के विचार और कार्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं. उनका जीवन हमें सिखाता है कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि मानसिक और नैतिक दृढ़ता का भी प्रतीक है. पटेल का जीवन स्वयं आत्मनिर्भरता का उदाहरण था. वे सादगी, परिश्रम और आत्मविश्वास के प्रतीक थे. उन्होंने हमेशा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के सिद्धांतों का समर्थन किया. उनका मानना था कि राष्ट्र तभी सशक्त होगा जब उसके नागरिक आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे.

> वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है. वर्ष 2015 में एक जुटता के आव्हान के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल के अखंड भारत के दृष्टिकोण के सम्मान में राष्ट्रव्यापी रन फॉर यूनिटी में मैराथन शुरू की गई. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2018 में देश के विभिन्न अंचलों से लाए लोह से गुजरात के नर्मदा जिले में बने सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया. इसका नाम स्टैच्यू ऑफ यूनिटी रखा गया. यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दोगुनी ऊचांई 182 मीटर ऊंची बनाई गई है. सरदार पटेल युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं. उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दृढ़ निश्चय, एकता और सत्य के मार्ग पर चलकर कोई भी कठिन कार्य संभव किया जा सकता है.

(लेखक म.प्र. के पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक हैं.)

कब मिल पाएगा सेवा क्षेत्र को न्याय

स्वयं नीति आयोग ने माना है कि सर्वाधिक रोजगार देने वाले देश के दूसरे क्रमांक के क्षेत्र तथा 19 करोड़ लोगों को रोजी-रोटी का आधार उपलब्ध कराने वाले 16 करोड़ 57 लाख सर्विस सेक्टर श्रमिकों को भविष्य निर्वाह निधि तथा पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है. नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने भारत के सेवा क्षेत्र पर रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि इस क्षेत्र के कर्मचारियों के रोजगार की गुणवत्ता खराब है जिसमें महिला व पुरुषों के वेतन में काफी फर्क है. सेवा क्षेत्र में अधिकांश नौकरियां अस्थायी हैं जिनमें तनख्वाह बेहद कम है. व्यापार, परिवहन और शिक्षा क्षेत्र में दो तिहाई से ज्यादा नौकरियां होने पर भी नए रोजगार निर्माण की क्षमता कम होती जा रही है. आईटी, वित्त, स्वास्थ्य सेवा व व्यावसायिक सेवा में नौकरियां व वेतन बढ़ाने की क्षमता है लेकिन तुलनात्मक दृष्टि से यह क्षेत्र छोटा है. सेवा क्षेत्र में 20 प्रतिशत ग्रामीण व 60 प्रतिशत शहरी कर्मचारी हैं. इसमें ग्रामीण क्षेत्र की 10 .5 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र की 60 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत हैं. महिलाओं की रोज की कमाई 213 रुपए तथा पुरुषों की 451 रुपए है. रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अधिकाधिक लोगों को अनौपचारिक की बजाय औपचारिक नौकरियां दी जाएं, स्वयं रोजगार में लगे गिग वर्कर, एमएसएमई में कार्यरत कर्मचारियों के लिए निवृत्ति वेतन तथा सामाजिक सुरक्षा व प्रावधान किया जाए. महिलाओं व ग्रामीण युवाओं को हुनर व डिजिटल ट्रेनिंग दी जाए. उन्हें सुरक्षित परिवहन व्यवस्था भी दी जानी चाहिए. डिजिटलाइजेशन व हरित अर्थव्यवस्था के लिए श्रमिकों को तकनीक आधारित कुशलता प्रदान करने के लिए निवेश किया जाए. इसी तरह संतुलित प्रादेशिक विकास पर ध्यान दिया जाए. शहरों के व्यस्त यातायात में गिग वर्कर लोगों के घरों व कार्यालयों तक तेजी से सामान पहुंचाते हैं. उनकी समस्याओं पर भी विचार करना होगा.

शहरों के व्यस्त यातायात में गिग वर्कर लोगों के घरों व कार्यालयों तक तेजी से सामान पहुंचाते हैं. उनकी समस्याओं पर भी विचार करना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चुनाव में सितारे चमकेंगे किसके कितना असर डालेंगे पीके

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, आपकी पीके के बारे में क्या राय है? क्या बिहार विधानसभा चुनाव में वह कोई खास असर डाल सकेंगे? उनका जनाधार कितना है? क्या पीके को नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ बिहार की राजनीति के त्रिकोण का तीसरा कोण भुजा माना जा सकता है. पब्लिक के बीच उनकी कितनी पैठ है?

हमने कहा, जब 1952 में फिल्म अनारकली आई थी तभी से उसके एक गीत के कारण पीके का नाम सारे देश ने जान लिया था. सी. रामचंद्र के संगीत से सजी उस फिल्म में बीना राय गाती है- मुहब्बत में ऐसे कदम लड़खड़ाए, जमाना ये समझा कि हम पीके आए, पीके आए! अभी भी पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान पता लगाती है कि वाहन चालक कहीं पीके तो गाड़ी ड्राइव नहीं कर रहा है. बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी लागू कर रखी है लेकिन फिर भी लोग अवैध या तस्करी की शराब पीके रहते हैं. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, अनर्गल बात मत कीजिए. पीके से हमारा आशय प्रशांत किशोर से है जिन्होंने जनसुराज पार्टी बनाई है. वह खुद चुनाव नहीं लड़ रहे हैं लेकिन अपनी पार्टी के उम्मीदवार मैदान में उतारेंगे. प्रशांत किशोर पेशेवर चुनाव विशेषज्ञ रहे हैं और बीजेपी व टीएमसी सहित देश की अधिकांश पार्टियों के चुनावी सलाहकार की भूमिका उन्होंने निभाई है. उनकी संस्था तमाम चुनाव क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर लेखा-जोखा तैयार करती है और पहले से बता देती है कि किस पार्टी को कितनी सीटें मिलने वाली हैं. वह चुनाव और जनमानस की नब्ज पहचानते हैं.

हमने कहा, इलेक्शन कंसल्टंट होने और खुद चुनाव मैदान में कूदने में बहुत फर्क है. पीके किसी भी हालत में जननेता या मास लीडर नहीं हैं. सर्वे में लोगों से सवाल पूछना और नैरेटिव बनाना एक अलग बात है. कभी-कभी अंधे के हाथ भी बटेर लग जाती है. जनता से जुड़ना असली राजनीति है. जनता की शिकायतें, मांगें व दुख-दर्द समझकर जमीन से जुड़ी राजनीति करने वाला ही असली नेता होता है. सिर्फ चुनाव के समय अचानक टपकने और चालाकी भरी बातें करने से कोई नेता नहीं बन जाता. जनता काम करने वाले नेता और बातों का बतंगड़ बनाने वाले व्यक्ति के बीच फर्क अच्छी तरह पहचानती है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, नीतीश कुमार भुलक्कड़ हो गए हैं और तेजस्वी यादव सिर्फ 9वीं पास हैं. ऐसे में क्या पढ़े-लिखे पीके को जनता पसंद नहीं करेगी? हमने कहा, याद कीजिए कि देश में चुनाव सुधार लाने वाले टीएन शेषन जब आडवाणी के खिलाफ चुनाव लड़े थे तो उनकी जमानत जब्त हो गई थी.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12066

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2		■	■	3	
	■		■	4	5		■
6	7		8			■	9
■		■	10			■	
11		■		■	12		
13		14	■	15	■	■	
	■		■	16		17	
18					■		■

बाएं से दाएं

1. पशुओं-सा, पशु से संबंधित 3. लड़की का लड़का, दोहता 4. हाथी चलाने का कांटा, प्रतिबंध, रोक (सं.) 6. सरहद या सीमा का इलाका 10. विस्तृत, लंबा चौड़ा 11. भौंरा, सखी (सं.) 12. शिक्षा (उर्दू) 13. नौकर, सेवक 16. आज्ञाकारी, सेवक (उर्दू) 18. उकता कर हिलना डोलना, हिचकना, घबराना

ऊपर से नीचे

1. एक अग्निपूजक जाति 2. बीता हुआ समय, जो अभी तुरंत बीता है 3. बर्बादी, ध्वंस, अस्तित्व न रह जाना 4. आशंका, संशय (उर्दू) 5. चतुरता, प्रवीणता 7. शुभ या मंगल करने वाला 8. घुसा हुआ, भीतर बैठा हुआ (सं.) 9. अन्यायी, अत्याचारी, जुल्म ढानेवाला (उर्दू) 11. अकस्मात, सहसा, विना पूर्व सूचना के 14. दया, करुणा, कृपा (उर्दू) 15. समय व्यतीत करना, गुजारना 17. दानशील, देने वाला, दान करने वाला

Solution 12065

वा	स्तु	शा	स्त्र	■	स	न	क
स	त	ह	■	ना	म	व	र
व्य	■	द	र	का	र	■	ब
व	न	रा	ज	■	शु	क	र
स्था	न	■	त	स्त्री	र	■	ना
■	दो	हा	■	का	■	अ	■
र	ई	स	■	र	से	श्व	र
वि	■	क	फ	ना	ना	■	क्त

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा, मन में तनाव रह सकता है, व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा, व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है, शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है, वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों में वृद्धि होगी, रूके कार्यो में गति आयेगी, धार्मिक कार्यो में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवाद हो सकता हे, सिंह राशि के व्यक्तयों के रूके कार्यो में गति आयेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी, अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर साहसी, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, एवं व्यक्तित्ववान होगा, बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, अस्थिर बुद्धि का होने से उटपटांग बातें करेगा, विद्या प्रारंभ में कम एवं बाद में अच्छी होगी, मित्रों से धोखा खाने के बाद सीख मिलेगी, माता पिता का आदर करेगा.

मेष- मित्रों के रूखे व्यवहार से खिन्नता होगी, वाणी पर संयम रखें. नौकरी के कार्यो में अधिकता रहेगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

वृषभ- अपने पक्ष को आत्म विश्वास के साथ रखें, जमकर जायजाद प्रापर्टी के कार्यो में सफ्लता मिलेगी, नये लोगों, के साथ संबंधों में मधुरता, स्वास्थ्य कष्ट दूर होगा.

मिथुन- स्वास्थ्य में सुधार होगा, साझेदारी में कोई बड़ी योजना बनेगी, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, आकस्मिक धन लाभ होगा, शुभ संदेश मिलेगा.

कर्क- कानूनी मामलों में सावधानी से निर्णय लेने की जरूरत है, खोया आत्म विश्वास फिर से प्राप्त होगा, शिक्षा के क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी, मन में संतोष बना रहेगा.

सिंह- जोखिम के कार्यो में रूचि बढ़ेगी, समय पर वादा पूरा नहीं करने का मलाल रहेगा, बुद्धिमानी एवं सूझबझ से बिगड़ा काम बनेगा, व्यापार व्यवसाय अनुकूल रहेगा.

कन्या- बीती बातों को भूलकर निजी संबंधों को सुधारें, जीवन में सम्मान मिलेगा, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, व्यवसायिक संबंधी योजना कारगर होगी.

तुला- सपने साकार करने का समय है, प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता मिलेगी, व्यर्थ के तनाव से बचें, पद प्रतिष्ठा एवं सम्मान मिलेगा, निजी पुरूषार्थ से लाभ होगा,

वृश्चिक- सहयोग से बिखरे कार्य समेटने में मदद मिलेगी, राजकीय मामले में पक्ष मजबूत होगा. यश मान-सम्मान मिलेगा, जीवन सुखद रहेगा.

धनु- सूझबूझ से आगे बढ़ें, सफ्लता मिलेगी, युवाओं को कैरियर में नये अवसर मिलेंगे, राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी, अधिकारी वर्ग का सहयोग रहेगा.

मकर- कार्य स्थल पर सबकी जबावदेही तय करें, नई योजना की शुरूआत में परेशानी होगी, महिला जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी.

कुम्भ- सुख में वृद्धि होगी, सोचसमझकर निवेश करें, मित्रता उपयोगी रहेगी, खानपान पर ध्यान दें, विवाद को टालना हितकर रहेगा.

मीन- सहूलियत के हिसाब से कार्य में बदलाव होगा, सोचे हुये कार्य में सफ्लता मिलेगी, आय से अधिक व्यय होगा, नौकरी के कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

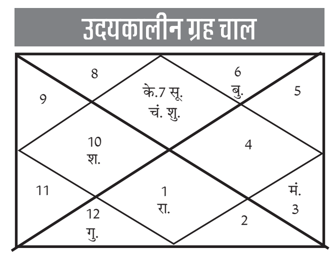

पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल दशमीं भृगुवासरे रातअंत 4/2, धनिष्ठा नक्षत्रे दिन 2/54, वृद्धि योगे रात 1/47, तैतिल करणे सू.उ. 6/27, सू.अ. 5/33, चन्द्रचार कुम्भ, शु.रा. 11, 1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल दशमीं को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में 30 से 40 रूपये की मंदी होगी, धान्यों के भाव में अस्थिरता रहेगी, रूई, कपास, सूत, वस्त्र, पाट, जूट, बारदाना, के भाव में मंदी होगी, भाग्यांक 3441 है.

SUDOKU 7198

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7197

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1